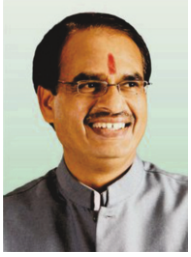

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश शासन
भोपाल – 462004

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद् द्वारा वृक्षारोपण तकनीकी मार्गदर्शिका **सामर्थ्य** का प्रकाशन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में इस वर्ष ग्रीन इण्डिया मिशन लागू किया गया है। इस मिशन के उद्देश्यों को सफल बनाने और सुदूर अंचलों तक पौध रोपण कार्यों से आजीविका के अवसर मुहैया कराने में सफलता मिलेगी।

आज इस बात की आवश्यकता है कि प्रदेश में पर्यावरण संतुलन के साथ–साथ ग्रामीणों को वृक्षारोपण के माध्यम से स्व–रोजगार विकसित हों, जिससे परंपरागत खेती को लाभ का धंधा बनाया जावे। वृक्षारोपण तकनीकी मार्गदर्शिका प्रकाशन के माध्यम से मनरेगा के अंतर्गत फलोद्यान विकसित करने के वैज्ञानिक तरीकों को सुदूर ग्रामीण अंचलों तक पहुँचाया जा सकेगा। ग्राम पंचायतों और मैदानी अमले को पौध रोपण और पौध संरक्षण संबंधी जानकारियॉ हासिल होने से पौधों को जीवन सुरक्षित होगा व किसानों को लाभ प्राप्त होगा।

सामर्थ्य मार्गदर्शिका के प्रकाशन के लिए शुभकामनाएँ।

(शिवराज सिंह चौहान)

गोपाल भार्गव
मंत्री
पंचायत एवं ग्रामीण विकास,
सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन
कल्याण, सहकारिता विभाग
मध्यप्रदेश.

निवास : बी-1, स्वामी दयानंद नगर,
(74 बंगला), भोपाल, (म.प्र.)
दूरभाष 0755-2441017 (मंत्रालय)
0755-2661271 (नि.)
0755-2441156 (नि.) फैक्स
07585-258401 (का.)
E-mail : gopal_bha@rediffmail.com

:: संदेश ::

यह हर्ष का विषय है कि मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा ग्रामीण अंचलों में पौध रोपण कार्यों से जरूरतमंद श्रमिकों को बड़े पैमाने पर आजीविका के अवसर सफलतापूर्वक उपलब्ध कराये जा रहे हैं । भौगोलिक विशेषताओं से परिपूर्ण मध्यप्रदेश को प्रकृति ने घने जंगल, नदी, पहाड़, तालाब जैसी अमूल्य संपदायें सौंपी हैं । इस प्राकृतिक संपदा की सुरक्षा के साथ–साथ प्रदेश को और हरा–भरा बनाये रखना हमारा कर्त्तव्य है ।

इसी उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा पौध रोपण की सही तकनीक और फलोद्यान विकसित करने के वैज्ञानिक तरीकों को ग्रामीणों और मैदानी अमले तक पहुंचाकर इन कार्यों में उन्हें सक्षम बनाये जाने की आवश्यकता को देखते हुये वृक्षारोपण तकनीकी मार्गदर्शिका **''सामर्थ्य''** का प्रकाशन कराया जा रहा है ।

इस पुस्तिका से बांस उत्पादन, वृक्षविहीन पहाड़ियों को हरा–भरा करना, रेशम उत्पादन और फलोद्योन के विकास कार्य सफलतापूर्वक आसानी से किये जा सकेंगे । इन कार्यों में आने वाली दिक्कतों के समाधान के बारे में तकनीकी मार्गदर्शिका **''सामर्थ्य''** में सभी जरूरी तथ्यों का समावेश किया गया है, जो हितग्राहियों व क्रियान्वयन में संलग्न मैदानी अमले के लिए मददगार होगा ।

इस अनूठे प्रयास से पौधों की सुरक्षा के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण व ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुदृढ़ करने में भी मदद मिलेगी ।

''सामर्थ्य'' मार्गदर्शिका के प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकानाएं।

(गोपाल भार्गव)

अरूणा शर्मा
अपर मुख्य सचिव
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

संदेश

प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति ग्रामीणों में जन चेतना लाने के साथ–साथ वृक्षारोपण कार्य से रोजगार और आजीविका के अवसर ग्रामीण श्रमिकों को उपलब्ध कराने के सफल प्रयास किये जा रहे हैं।

ग्रामीण अंचलों के विकास के साथ–साथ प्रदेश को हरा–भरा बनाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण के महत्व और तकनीकी मापदण्ड की समझ लोगों में पैदा किये जाने की आवश्यकता प्रतिपादित हुयी है ताकि रोपित पौधों की उत्तरजीवितता सुनिश्चित हो सके।

मनरेगा के वन, उद्यानिकी, कृषि एवं कुटीर व ग्रामोद्योग विभाग की योजनाओं के अभिसरण से रेशम उत्पादन, बांस उत्पादन, वृक्षविहीन पहाडियों का विकास तथा फलोद्यान विकास योजनाओं का लाभ ग्रामीण हितग्राहियों तक सही तरीकों से पहुंचाकर उनकी आजीविका सुदृढ़ करने के अवसर प्रदान किये जाने की सरकार की मंशा है।

फलोद्यान विकसित करने के वैज्ञानिक तरीकों और पौध संरक्षण की नवीनतम तकनीकों को पंचायतों और मैदानी अमले तक पहुंचाने की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा वृक्षारोपण तकनीकी मार्गदर्शिका "सामर्थ्य" के प्रकाशन का प्रयास सराहनीय है।

"सामर्थ्य" मार्गदर्शिका के प्रकाशन पर शुभकामनाऐं।

(अरूणा शर्मा)

स्मिता भारद्वाज
आयुक्त
म.प्र.रा.रो.गा.परिषद् भोपाल

प्रस्तावना

महात्मा गॉधी नरेगा अंतर्गत ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कृषि व कृषि आधारित कार्यो पर न्यूनतम 60 प्रतिशत व्यय किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इन कार्यो में प्रमुख रूप से भूमि विकास, भू–जल संरक्षण व संवर्धन तथा वृक्षारोपण से संबंधित कार्य शामिल हैं। भारत सरकार द्वारा ग्रीन इण्डिया मिशन अंतर्गत उद्यानिकी, कृषि वानिकी, रेशम उत्पादन, बॉस मिशन, सड़क किनारे वृक्षारोपण के कार्य विभिन्न विभागो के कार्यक्रमों के अभिसरण से लिये जाकर 50 लाख हेक्टेयर भूमि पर मनरेगा में लक्षित वर्ग के 30 लाख परिवारों को आगामी 10 वर्षो में स्थायी आजीविका से जोड़े जाने का पूरे देश का लक्ष्य रखा गया है।

वृक्षारोपण की सफलता लगाये गये पौधों की जीवित्ता पर निर्भर करती है, जिसमें तकनीकी विषय की महत्वपूर्ण भागीदारी होती है। कृषि, उद्यानिकी, वन, कुटीर व ग्रामोद्योग अन्तर्गत रेशम की परियोजनाओं के प्रोजेक्ट तैयार करने से लेकर उनके क्रियान्वयन हेतु तकनीकी मापदण्डो का एकजाई संकंलन नहीं होने से "वृक्षारोपण तकनीकी मार्गदर्शिका" मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद् द्वारा तैयार करायी गयी हैं। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि प्रकाशित पुस्तक जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारी जन प्रतिनिधियों के लिये बेहद उपयोगी साबित होगी।

प्रकाशित पुस्तिका वृक्षारोपण तकनीकी मार्गदर्शिका **"सामर्थ्य"** प्रदेश के वनीकरण – उद्यानिकी के विकास के लिये शुभकामनाओं सहित समर्पित।

(स्मिता भारद्वाज)